

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीगुरुपरनपुराधीशाय श्रीकृष्णाय परब्रह्मणे नमः

श्री मेल्लडुर् नारायणभट्टतिरेः कृतिषु
॥ श्रीमन्नारायणीये पञ्चनरतितमं दशकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

শ্রীঃ

শ্রীমতে রামানুজায় নমঃ

শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায নমঃ

॥ শ্রীমন্নারায়ণীয়ে পঞ্চনরতিতমং দশকম্ ॥

কৈরল্যসিদ্ধিপ্রকাররণনম্

আদৌ হৈরণ্যগভীং তনুমরিকলজী -

রাত্রিকামাস্থিতস্ত্বং

জীরৎরং প্রাপ্য মায়াগুণগণখচিতো

রর্তসে রিশ্রযোনে।

তত্রোদ্বুদ্ধেন সত্ত্বেন তু গুণযুগলং

ভক্তিভারং গতেন

ছিত্রা সত্ত্বং চ হিত্রা পুনরনুপহিতো

রর্তিতাহে ত্রমের ॥ 95.1 ॥

সত্ত্বোন্মেষাৎ কদাচিৎ খলু রিষযরসে

দোষবোধেহপি ভূমন্

ভূযোহপ্যেষু প্রবৃত্তিস্সতমসি রজসি

প্রোদ্ধতে দুর্নিরারা।

চিত্তং তারদগুণাশ্চ গ্রথিতমিহ মিথ -

স্তানি সর্বাণি রোদ্ধুং

তুর্যে ত্রয্যেকভক্তিশ্ররণমিতি ভরান্

হংসরূপী ন্যগাদীৎ ॥ 95.2 ॥

সন্তি শ্রেয়াংসি ভূয়াংস্যপি রুচিভিদযা

কর্মিণাং নির্মিতানি

ক্ষুদ্রানন্দাশ্চ সান্তা বহুরিধগতযঃ

কৃষ্ণ তেভ্যো ভরেযুঃ।

मृज्यामानोऽयमात्मा
चम्फुर्रं तद्भ्रूसुम्भ्रं भजति न तु तथा -
भ्यस्तया तर्ककोट्या ॥ 95.6 ॥

ध्यानं ते शीलयेषं समतनुसुखव -
द्वासनो नासिकाग्र -
न्यस्तान्कः पुरकादैर्जितपरनपथ -
श्चित्तपद्मं रंरराक्षम्।
उर्ध्वाग्रं भारयिंरा ररिरीधुशिथिनः
संरिचित्त्योपरिष्ठां
तत्रस्रं भारये रंरां सजलजलधर -
श्यामलं कोमलाङ्गम् ॥ 95.7 ॥

आनीलम्लम्भकेशं ज्वलितमकरस -
ंकुण्डलं मन्दहास -
स्यन्दार्द्रं कौस्तुभश्रीपरिगतनमा -
लोरुहाराभिरामम्।
श्रीरंसान्कं सुबाह्वं मृदुलसदुदरं
काञ्चनच्छायचेलं
चारुस्निग्धोरुमञ्जोरुहललितपदं
भारयेहं भ्रञ्जम् ॥ 95.8 ॥

सर्वाङ्गेष्वरङ्ग रङ्गं कुतुकमति मुह -
र्धारयन्नीश चित्तं
तत्राप्येकत्र युञ्जे रदनसरसिजे
सुन्दरे मन्दहासे।
तत्रालीनं तु चेतः परमसुखचिद -
द्वैतरूपे रितन्त्र -

न्नन्यन्नो चिन्तयेथं मुहुरिति समुपा -
रूचयोगो भवेथम् ॥ 95.9 ॥

इत्थं वरद्व्यानयोगे सति पुनरणिमा -
दृष्टसंसिद्धयस्ताः
दूरश्रुत्यादयोऽपि ह्यहमहमिकया
सम्पतेयुर्मुंरारे ।
वरसम्प्राप्तौ विलम्बारहमथिलमिदं
नाद्रिये कामयेहहं
वरामेरानन्दपूर्णं परनपुरपते
पाहि मां सरतापां ॥ 95.10 ॥

॥ इति श्रीमन्नारायणीये पञ्चनरतितमं दशकं समाप्तम् ॥